भारत सरकार

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय

भारी उद्योग विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं. 335*

जिसका उत्तर मंगलवार, 22 दिसम्बर, 2015 को दिया जाना है

हाइब्रिड वाहन

335*. श्री प्रह्लाद सिंह पटेल:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का विचार देश में हाइब्रिड/इलेक्ट्रिक वाहनों के विनिर्माण, बिक्री, विपणन और बिक्री पश्चात् सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करने का है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में सरकार द्वारा क्या समय-सीमा निश्चित की गई है;

(ग) क्या सरकार ने सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम) को इस पहल को प्राथमिकता से शीघ्र पूरा करने के लिए कहा है और यदि हां, तो इस पर उक्त सोसाइटी की प्रतिक्रिया क्या है; और

(घ) देश में हाइब्रिड वाहनों के विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री

(श्री अनंत ग. गीते)

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

विवरण पत्र

"हाइब्रिड वाहन" के संबंध में श्री प्रहलाद सिंह पटेल द्वारा पूछे गए दिनांक 22.12.2015 के लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 335* के भाग (क) से (घ) तक के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) से (घ): जी, हां। भारत सरकार देश में हाइब्रिड/इलेक्ट्रिक वाहनों के विनिर्माण, बिक्री, विपणन और बिक्री पश्चात् सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। इसके लिए, भारत सरकार ने वर्ष 2011 में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी नेशनल मिशन को अनुमोदित किया और तत्पश्चात् 2013 में नेशनल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन प्लान 2020 का उद्घाटन किया गया। इस मिशन के भाग के रूप में भारी उद्योग विभाग ने **फेम-इंडिया** (भारत में (हाइब्रिड और) इलेक्ट्रिक वाहनों के तीव्र अंगीकरण और विनिर्माण) नाम की स्कीम तैयार की है जो 01 अप्रैल, 2015 से 2 वर्ष की प्रारंभिक अवधि के लिए प्रचालन में है और इसमें देश में इलेक्ट्रिक वाहनों तथा इसके इको सिस्टम को प्रोत्साहन देने के लिए ₹795 करोड़ निर्धारित किए गए हैं। इसमें, चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर की स्थापना को सहज बनाने तथा विशेष रूप से शहरी परिवहन को बढ़ावा देने हेतु प्रायोगिक परियोजनाएँ शुरू करने के लिए इलेक्ट्रिक/हाइब्रिड वाहनों के क्रेताओं को मांग प्रोत्साहन देना शामिल है।

सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम) इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों को बढ़ावा देने के सरकार के प्रयासों से बिल्कुल शुरू से ही निरंतर जुड़ी हुई है। एसआईएएम के विभिन्न सदस्यों ने इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों के विनिर्माण की दिशा में पहले ही सक्रिय कदम उठाए हैं जिसकी पुष्टि देश में उपलब्ध हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक मॉडलों जैसे कि महिन्द्रा रेवा ई2ओ, महिन्द्रा ई-मैक्सिमो, महिन्द्रा ई-वैरिटो, मारुति हाइब्रिड सिआज, मारुति हाइब्रिड इर्टिगा, टोयोटा हाइब्रिड कैमरी और दुपहिया तथा तिपहियों के बहुत से मॉडलों में वृद्धि से होती है।

****